



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 2 जुलाई, 2007/11 आषाढ़, 1929

हिमाचल प्रदेश सरकार

मावकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 14 जून, 2007

संख्या ई० एक्स० एन०-एफ(६)-२/२००४.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान अधिनियम, १९९९ (१९९९ का १६) की धारा १७ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या ई० एक्स० एन०-एफ(१५)-१/९२, तारीख २९ जून, १९९३ द्वारा अधिसूचित तथा तारीख २८ अगस्त, १९९३ को राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में प्रकाशित हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान नियम, १९९३ का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

१. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश (सड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान संशोधन नियम, २००७ है।

2. नियम 4-क(1) का संशोधन.—हिमाचल प्रदेश (मड़क द्वारा कतिपय माल के वहन पर) कराधान नियम, 1993 के नियम, 4-क के उप-नियम (1) में "सड़क द्वारा वहन के लिए" शब्दों के पश्चात् किन्तु "ग्राने परिसर" शब्दों से पूर्व "पहली बार" शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे और तत्पश्चात् निम्नलिखित परन्तुक जोड़े जाएंगे, अर्थात् :—

"परन्तु प्राधिकृत व्यक्ति कर के मददे किसी भी रकम का संग्रहण नहीं करेगा, यदि—

- (क) प्रथम विक्रय, प्रेषण या प्रेषण के लिए प्राधिकार देने के समय दो सौ पचास किलोमीटर की दूरी के लिए कर संदत्त कर दिया गया है;
- (ख) प्रथम विक्रय, प्रेषण या प्रेषण के लिए प्राधिकार देने में और पश्चात्वर्ती विक्रय प्रेषण या प्रेषण के लिए प्राधिकार देने में दोनों को मिला कर कुल दूरी दो सौ पचास किलोमीटर से अधिक न हो; और
- (ग) प्रथम विक्रय, प्रेषण या प्रेषण के लिए प्राधिकार देने के परिणामस्वरूप तय की गई दूरी हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के अधीन विहित मूल्य परिवर्धित कर प्ररूप-18, मूल्य परिवर्धित कर प्ररूप-19 और मूल्य परिवर्धित कर प्ररूप-20 में "कर बीजक" या "खुदरा बीजक" या "कैश में" से साबित हुई हो :

परन्तु यह और कि प्राधिकृत व्यक्ति, समस्त ऐसे मामलों, जिनमें प्रथम विक्रय, प्रेषण या प्रेषण के लिए प्राधिकार देने के परिणामस्वरूप तय की गई दूरी और द्वितीय विक्रय, प्रेषण, प्रेषण के लिए प्राधिकार देने के परिणामस्वरूप तय की जाने वाली दूरी दो सौ पचास किलोमीटर से अधिक हो जाती है, में कर का संग्रहण विनिर्दिष्ट दरों पर करेगा"।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
प्रधान सचिव ।

[Authoritative English text of the Excise and Taxation Department Himachal Pradesh Notification No. EXN-F (6) 2/2004 dated the 14th June, 2007 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 14th June, 2007

No EXN-F (6) 2,2004.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods carried by Road) Act, 1999 (Act No. 16 of 1999), the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Rules, 1993, notified vide this Department Notification No. EXN-F (15) 1/92, dated the 29th June, 1993 and published in Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra-ordinary) dated 28th August, 1993 namely:—

1. *Short title.*—These rules may be called the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Amendment Rules, 2007.

2. Amendment of Rule 4-A(1).—In sub-rule (1) of rule 4-A of the Himachal Pradesh Taxation (on Certain Goods Carried by Road) Rules, 1993 after the words "from his premises" but before the words, "for carriage by road", the words "for the first time" shall be inserted and thereafter the following proviso shall be added namely :—

"Provided that the authorised person shall not collect any amount on account of tax, if—

- (a) the tax has been paid for a distance of two hundred and fifty kilometers at the time of first sale, despatch or authorization for despatch;
- (b) the total distance in first sale, despatch or authorization for despatch and the subsequent sale, despatch or authorization for despatch taken together does not exceed two hundred and fifty kilometers; and
- (c) the distance covered as a result of first sale, despatch or authorization for despatch is proved from the 'tax invoice' or 'rental invoice' or 'cash memo' in Form VAT-XVIII, Form VAT-XIX, and Form VAT-XX prescribed under the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005:

Provided further that the authorised person shall collect the tax at the specified rates in all such cases in which the distance covered as a result of the first sale, despatch or authorization for despatch and the distance to be covered as a result of the second sale, despatch or authorization for despatch exceeds two hundred and fifty kilometers".

By order,

Sd/-
Principal Secretary.

